

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	पौष 14, मंगलवार, शाके 1943-जनवरी 04, 2022 <i>Pausa 14, Tuesday, Saka 1943- January 04, 2022</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, दिसम्बर 20, 2021

संख्या 2(8)वन/2021 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उसमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उसके अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है;

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वनभूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फॉरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29, उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है;

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं;

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उन पर सरकार या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका है;

इसलिए अब राजस्थान फॉरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, सरकार इसके द्वारा फॉरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/ असिस्टेंट फॉरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11(1), 12, 13, 14, 17, 18 एवं 19 में प्रवाहित है।

और, उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वनभूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति के द्वारा रक्षित (Protected forest) घोषित करती है परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि एवं बंजर भूमि/
द्वितीय अनुसूची (सरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,
बी प्रवीण,
शासन सचिव,
वन विभाग शासन सचिवालय, जयपुर।

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण		
					ग्राम	खसरा न.	रकबा है० मे
1	नारायणपुर टटवाडा मेंन	गंगापुर सिटी	सवाई माधोपुर	उत्तर- खसरा 1134 चारागाह बंजड पूर्व- वन भूमि दक्षिण- वन भूमि पश्चिम- चारागाह, खसरा न. 1134	रामगढ़ मुराडा	1941/1125	0.20
					योग		0.20

उप वन संरक्षक
सवाई माधोपुर

कार्यालय उप वन संरक्षक सवाई माधोपुर

द्वितीय अनुसूची

वृक्षों की सूची

क्र.सं.	बोटैनिकल नाम	हिन्दी नाम	संख्या
1	Acacia nilotica	देशी बबूल	5
2	Prosopis cineraria	खेजड़ी	2
	योग		7

दीपक शर्मा
क्षेत्रीय वन अधिकारी
गंगापुर सिटी

उप वन संरक्षक
सवाई माधोपुर

परिशिष्ट 'क'

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक, द्वारा प्रमाण-पत्र

वनखण्ड - नरायणपुर टटवाडा में

रेंज - गंगापुर सिटी

वन मण्डल - सवाई माधोपुर

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण बंजड वन विभाग के नाम दर्ज है। जिसे विज्ञप्ति के कालम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. इसमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है।
3. वर्तमान में वृक्षारोपण कार्य करवाया जा रहा है। इसमें कोई खनन कार्य नहीं हुए है। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों में देशी बबूल एवं खेजड़ी है। तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र राजस्व खातेदारी, चारागाह भूमि है। तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कालम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वन खण्ड के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है। एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र को जीटी शीट पर चिह्नित किया जाकर प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया है।
7. प्रस्तावित क्षेत्र की विज्ञप्ति के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों को कानूनी रूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है। जिससे की इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

दीपक शर्मा
क्षेत्रीय वन अधिकारी
गंगापुर सिटी

उप वन संरक्षक
सवाई माधोपुर

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।